प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल-425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ.9001:2008 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन:-02582-222678/224600 रेलवे -54900/54918/54920, फैक्स- 02582-222678

ई-मेल: zrtibsl@gmail.com वेबसाईट-रेलनेट-http:\\10.154.26.100\ इंटरनेट-www.zrtibsl.com,

वर्ष :- षष्ठम अंक :- चौबीसवां अप्रैल से जून 2012

मुख्य संपादक की कलम से

संस्थान की त्रैमासिक पत्रिका प्रशिक्षण दर्पण के चोबीसवें अंक का संपादकीय लिखते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है क्योंकि यह पत्रिका पाठकों के लिए निरंतर उपयोगी साबित हो रही है। भारतीय रेल पर चलाए जा रहे विभिन्न सॉफ्टवेअर की जानकारी इस अंक की विशेषता है। संस्थान के क्रियाकलापों का दर्पण साबित होती इस पत्रिका के संपादक मंडल को मै बधाई देता हूं एवं पत्रिका को बेहतर बनाने हेतु प्रबुध्द पाठकों के सुझाव सहर्ष आमंत्रित करता हूं। शुभकामनाओं सहित।

एल.एम.सैयद
प्राचार्य

भारतीय रेल - परिचालन विभाग में प्रचलित सूचना प्रौद्योगिकी

विजय काशीनाथ मोरे (वरि.यातायात प्रशिक्षक)

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे पर समस्त कम्प्यूटर संबंधी गतिविधियों के लिए एक छत्रसंगठन के रूप में रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र-, (क्रिस) चाणक्यपुरी, नई दिल्ली की स्थापना की। रेल मंत्रालय ने क्रिस से संबंधित संचार तंत्रसहित इसे एफ.ओ.आई.एस.के डिजाइन, विकास और क्रियान्वयन का कार्य भी सौंपा। इस केन्द्र ने जुलाई, 1987 से कार्य करना आरम्भ किया। यह स्वायत्त रूप में एक पंजीकृत संगठन है जिसका प्रमुख प्रबंध निदेशक है। क्रिस मुख्यत: एक परियोजनामूलक संगठन है जो रेलवे के कंम्प्युटर प्रणाली संबंधीप्रमुख विकास कार्य करता है। पुरे देश में क्रिस की उपस्थिती के कारण उसे विश्वस्तरीय पहचान और एक व्यापक रोलआऊट सपोर्ट क्षमता मिली है - कौशल प्राप्त सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल्स के एक बडे दल के साथ सूचना प्रौद्योगिकी की - उच्चस्तरीय क्रान्ति में अग्रणी रहकर - विश्व में क्रिस ने अपनी एक पहचान बनाई है। इतने बडे व्यावहारिक अनुभव के साथ प्रोफेशनल्स की एक समर्पित टीम और इसके अपने अनुसंधान और विकास कार्यो से क्रिस इस तेजी से बढते क्षेत्र में नेतृत्व करने का उद्देश्य रखता है। क्रिस भारतीय रेलवे के एक सहयोगी के रूप में प्रौद्योगिकी चलित बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन प्रयासों को चरितार्थ करने के लिए परामर्शी और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधीत सेवाएं प्रदान करता है।

पूरे देश मे 200 से अधिक कर्मचारियों की सहायता से क्रिस निश्चित समय और लागत सहित शीघ्रतापूर्वक शेड्यूल बनाने के लिए न्यूनजोखिम डिलीवरी मॉडल का उपयोग करता है। क्रिस आज के गतिशील डिजिटल वातावरण में कुशल व्यापार और प्रौद्योगिकीय नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए नए उत्पाद या सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेलवे के साथ मिलकर कार्य करता है। क्रिस द्वारा संचालित प्रमुख उपयोगी सॉफ्टवेयरों की जानकारी इस प्रकार है।

माल परिचालन सूचना प्रणाली - (FOIS)

भारतीय रेल एक वर्ष में 900 मिलियन टन माल की ढुलाई करती है एवं प्रतिदिन लगभग 5000 मालगाडियों को स्थानांतरित करती है। भारतीय रेल के राजस्व का दो तिहाई हिस्सा माल गाडियां कमाती है और उन्हें रेलवे का राजस्व अर्जक कहा जाता है। रेलवे द्वारा मुख्य रूप से ढोई जाने वाली वस्तुएं कोयला, लोहा और स्टील, सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक और कंटेनरों में सामान इत्यादि हैं। विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के यानांतरण की आवश्यकताओं को हैंडल करने के लिए विशिष्ट डिब्बे है। यात्री गाडियों के विपरीत, माल गाडियां एक नियत शड्युल के अनुसार नहीं चलती और इसलिए माल परिचालन की सूचना अति गहन गतिविधि बन जाती है। इस सूचना के आधार पर प्रबंधक, डिब्बों, इंजनों, क्रू और नेटवर्क पर मार्ग जैसे संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के लिए आबंटन के निर्णय निरंतर लेते रहते हैं। रीयल टाइम सूचना, अच्छे निर्णय लेने को अनुमत करती है और इसलिए प्रणाली के अंदर ही गतिशीलता के उच्च स्तर को सुनिश्चित करती है। माल परिचालन सूचना प्रणाली (फॉयस), पहली परियोजना थी, जो क्रिस ने आरंभ की। वास्तव में 80 के दशक के मध्य में क्रिस का सृजन इस प्रयत्न का परिणाम है। फॉयस ने डिब्बों, इंजनों और यूनिट गाडियों की गतिविधियों को मॉनीटर करने के लिए एक अनुप्रयोग के रूप में शुरूआत की। अब यह माल माडियों के लिए एक पूर्ण प्रबंधन मॉड्यूल होने के साथ साथ बिल तैयार करने और राजस्व एकत्रित करने को भी हैंडल करता है। भारतीय रेलवे की बेहतर डिब्बा उत्पादकता में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसका उद्देश्य है कि सूचना का प्रयोग उत्पादकता, ग्राहक सेवा को बढाने में और किया जाए ताकि तेजी से बढ रही अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। FOIS के प्रमुख दो भाग हैं - RMS (रेक मेनेजमेंट सिस्टम), TMS (टर्मिनल मेनेजमेंट सिस्टम)। RMS परिचालनिक गतिविधियों से संबंध रखता है जबकि TMS वाणिज्यिक गतिविधियों से संबंध रखता है

मालगाडियों के संचालन की निगरानी करने के अतिरिक्त, बिजनेस के कॉम्प्लेक्स नियमों के आधार पर यह प्रणाली, मालभाडे और अन्य प्रभारों की गणना करती है और रेलवे रसीद, शिपर द्वारा देय बिल, तैयार करती है। आज मालभाडे के भुगतान की इलेक्ट्रॉनिक वसूली प्रतिदिन 100 करोड के एक महत्वपूर्ण आकडे तक पहुँच गई है। इस प्रणाली में भेजे गए माल के ट्रैकिंग और ट्रेसिंग तथा ऐंड उपयोगकर्ता के लिए सूचना के प्रकाशन की क्षमता भी हैं। अधिक पारदर्शिता लाने के लिए, भारतीय रेलवे ने प्राथमिकता नियमों, परिचालनिक प्रतिबंधो और वाणिज्यिक करारों के आधार पर चुनिंदा वस्तुओं के लिए ग्राहको को रेक के ऑटोमेटिक आबंटन की शुरूआत की है। मुख्य ग्राहकों को यह सेवाएं उनकी लीगेसी प्रणालियों के साथ फॉयस को इंटीग्रेट करके दी जा रही है।

प्रशिक्षण दर्पण

एकीकृत कोच प्रबंधन प्रणाली (आई.सी.एम.एस.)

प्रतिदिन लाखो यात्री अपनी यात्रा का बुकिंग इस विश्वास के साथ करते है कि जब नियत दिन उनकी गाडी चलेगी, तो वह एक डिब्बा लाएगी, जिसमें उनके लिए स्थान होगा । प्रतिदिन उनकी इस अपेक्षा को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे को 50 हजार डिब्बों को रेल पथ पर चलाने की आवश्यकता होती है, इस बेडे फ्लीट को दक्षतापूर्वक डिप्लॉय करके, रेलवे अपने यात्रियों के फायदे के लिए विघ्नबाधा और निराशा की मात्रा को न्यूनतम करते हुए अधिक सेवाएँ देने में सक्षम हुई है । इस विस्तृत कार्यक्षेत्र को भलिभाँति संभालने के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि परिसंपत्तियों को समय पर सर्विस और अनुरक्षण मिले । आवश्यकतानुसार मुद्रित रिपोर्टों में पिछले वर्षों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड या एक अधिकारी के मोबाईल फोन पर मिनट तक की सूचना दे सके । एकीकृत कोच प्रबंधन प्रणाली हूबहू ऐसा ही और इससे भी अधिक करती है । इसके तीन मॉड्यूल है जो प्रबंधकों को व्यापक अवलोकन देते हैं और उपलब्ध संसाधनो की शीघ्र पहचान तथा आवश्यकता के अनुसार उनके आबंटन को सरल बनाते हैं । इसके प्रमुख मॉड्युल COIS (कोचिंग ऑपरेशन इंफॉर्मेशन सिस्टम) PAM (पंक्चुलिटी एनालिसिस मॉड्युल) तथा कोच मेंटेनेंस मॉड्युल हैं ।

कोचिंग परिचालन सूचना प्रणाली – यह मॉड्यूल, योजना, यात्री सेवाओं के परिचालन का कार्य निष्पादन और निगरानी के लिए विस्तृत, रीयल टाईम सूचना उपलब्ध कराता है । चूँकि प्रणाली को योजनाओं की जानकारी है, अतः इसके लिए न्यूनतम डेटा इन्पुट की आवश्यकता होती है । यह इन्पुट भी आसान है क्योंकि उपयोगकर्ता, अपने यार्डों के वास्तविक प्रतिनिधित्व में पूरी तरह से सवारी डिब्बों को ड्रैग और ड्रॉप कर सकता है.

समय पालन विश्लेषण और निगरानी (PAM) – यह मॉड्यूल अपने आप ही नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग (सीओए) से विलंब को उठा लेता है और रीयल–टाइम इनसाइट को परिचालन की स्थिति में प्रदर्शित करता है । यह प्रणाली, ऑपरेटिव से लेकर स्ट्रेटेजिक तक प्रबंधन के सभी स्तरों के लिए सतत् और सही रिपोर्ट उपलब्ध कराती है । चूँकि, आईसीएमएस के पास अधिकांश संबंधित सूचना होती है, इसलिए यह गाडियों के समय पर चलने की निगरानी और विश्लेषण करने के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान निभाता है ।

कोच अनुरक्षण प्रबंधन मॉड्यूल – इस मॉड्युल को सवारी डिब्बों के अनुरक्षण को रिकॉर्ड करने और सुविधा तथा स्पेयर पार्ट्स इन्वेंटरी के प्रबंधन के लिए विकसित किया गया है । अलर्ट तैयार करने, सूचना के आदान–प्रदान, मरम्मत के लिए चल–स्टॉक के स्थापन का अनुरोध, सुपुर्दगी और सेवा के लिए सवारी डिब्बों के प्रमाणन की पावती आदि के लिए यह परिचालन मॉड्यूलों के साथ पूर्णतया एकीकृत है ।

नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग (सीओए)

भारतीय रेलवे पर गाडी परिचालन को 77 मंडल कार्यालयों में नियंत्रण कक्षों द्वारा नियंत्रित और मॉनीटर किया जाता है । नियंत्रण कक्ष, मंडल का नर्व केंद्र है । मंडल के अधिकार क्षेत्र में गाडियों की आवाजाही की प्रवाहिकता नियंत्रण कक्ष के संचालन की दक्षता पर निर्भर करती है । अपने कार्य की इसी प्रकृति के कारण नियंत्रण कार्यालय कभी भी बंद नहीं होते और दिन के सभी घंटों तथा सप्ताह के सभी दिनों में कार्य करते हैं । पारंपरिक ग्राफ बनाकर गाडियों के कंट्रोलिंग को नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग ने बदल दिया है । इसमें गाडियों की मॉनीटरिंग की जाती है, गाडियों की आवाजाही को रीयल टाइम में केप्चर किया जाता है और शेड्यूल और बिना शेड्यूल की गाडियों की आवाजाही की योजना बनाई जाती है और कम्प्युटर सहायता प्राप्त इंटरफेस से नियंत्रित की जाती है । गाडी परिचालन से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों में नियंत्रण कार्यालय अनुप्रयोग नवीनतम परिवर्धन है । माल परिचालन सूचना प्रणाली (फॉयस) के साथ सीओए ने गाडी परिचालन से संबंधित सभी सूचना को कम्प्युटर से तैयार होने योग्य बना दिया है । यह वही अनुप्रयोग है जो राष्ट्रीय गाडी पूछताछ प्रणाली को फीड करता है । (एनटीईएस), जो यात्रियों को गाडी के चलने की अद्यतन सूचना उपलब्ध कराता है । भारतीय रेल का उद्देश्य ऐसे प्रौद्योगिकीय उपकरणों के उपयोग द्वारा परिचालनों को अधिक बेहतर बनाना है, ताकि ऐसे शीघ्रतर डेटा केप्चरऔर कुशल अनुप्रयोग संभव हो सकें, जो बेहतर योजना और पूर्वानुमान साधन उपलब्ध करा सके ।

इस अनुप्रयोग में गाडी परिचालन से संबंधित डेटा, नियंत्रकों द्वारा प्रविष्ट किया जाना अपेक्षित है, क्योंकि वे नियंत्रण बिंदुओ या स्टेशनों से सूचना प्राप्त करते है । यह अनुप्रयोग एक ही सेक्शन में गाडी (मंडल नेटवर्क का एक अंश) की रनिंग को चार्ट करता है और विभिन्न परिचालनिक प्राचलों के आधार पर अग्रिम पूर्वानुमान भी तैयार करता है इसके बाद सूचना का निरंतर प्रवाह बनाए रखने के लिए गाडी को उसकी वास्तविक गति के अनुसार वास्तव में आसन्न मंडल को सौंप दिया जाता है ।

इस अनुप्रयोग की मुख्य विशेषता में, यदि अपेक्षित हो तो, नियंत्रक द्वारा गाडियों को क्रम में करने, सभी संभव मार्गों को देखना, गाडियों की दिशा मोडना या गाडियों का मार्ग दोबारा तैयार करना, का सामर्थ्य शामिल है । इस अनुप्रयोग में गाडी के संघटन के विवरण, क्रू और इंजन के विवरण को केप्चर करने और देखने की सुविधा है । असामान्य घटना की रिपोर्टिंग को उपयोगकर्ताओं के अनुकूल इंटरफेस से इनेबल किया गया है । यहाँ एक चार्ट भी होता है, जो लाइन अधिभोग, सतर्कता आदेशों और असामान्य कार्यप्रणाली को दर्शाता है । अनुप्रयोग का एक मुख्य घटक, गाडियों के चलने का पूर्वानुमान करने की योग्यता रखता है, जिससे नियंत्रक, बेहतर योजना बना सकता है ।इस तथ्य के अतिरिक्त, की स्ट्रक्चर्ड एमआईएस रिपोर्टें भी तैयार की जाती है, प्रबंधकीय पर्यवेक्षण के लिए चार्टों को प्रिंट किया जा सकता है ।

सीओए को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि इसे किसी भी अन्य अनुप्रयोग के साथ इंटीग्रेट किया जा सकता है । राष्ट्रीय गाडी पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस), समयपालन विश्लेषण मॉड्यूल (पीएएम), और मालगाडी परिचालन सूचना प्रणाली सभी एक एंटरप्राइज अनुप्रयोग इंटीग्रेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से इंटीग्रेट किए हुए है ।

सॉफ्टवेयर सहायता प्राप्त गाडी शेड्यूलिंग

(SATSANG) ''सत्संग'' बहुत से लोगों को रेलवे समय – सारणी देखना बहुत आनंददायक लगता है, विशेषतया जब वे किसी रेल यात्रा पर जा रहे हों । जिस मार्ग से गाडी जाती है । मार्ग में आने वाले स्टेशन, बहुत जाने माने या अनजाने, समय और रूकने के स्थान – ये सभी गाडी की यात्रा के रोमांच के एक अंश हैं । समय सारणी देखना ठीक वैसा ही है जैसा नाविक के लिए तारों से भरे रात के आकाश को देखना । भारतीय रेलवे जैसे एक व्यस्त नेटवर्क के लिए किसी समयसारणी को तैयार करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है । क्षेत्रीय रेलों पर योजना बनाने वाले स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं और फिर ऑल इंडिया समय सारणी विकसित – करने के लिए अन्य क्षेत्रीय रेलें योजना बनाने वालों के सहयोग से कार्य करती है । समय सारणी के मुख्य उद्देश्य यह है कि यह यात्रियों के लिए सुविधाजनक हो और सिस्टम में चलने के लिए उपयुक्त हो । नई गाडी सेवाएं प्रारंभ करना और पुरानी में वृद्धि करना एक कला है और योजना बनाने वालों का एक चुनिंदा ग्रुप इस कार्य में बहुत कुशल होता है ।

भारतीय रेलवे ने योजना बनाने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सॉफ्टवेयर टूल प्रदान करने का विनिश्चय किया, सॉफ्टवेयर सहायता प्राप्त गाडी शड्यूलिंग और नेटवर्क गवर्नेंस परियोजना (सत्संग) को ऐसा टूल बनाने का कार्य सौंपा गया है. संपूर्ण संसाधन आबंटन प्रक्रिया अब इस टूल द्वारा की जाएगी, जिससे और कुशल आंबटन होगा और समयसारणी को मजबूत बनाएगा ।

क्रू मेनेजमेंट सिस्टम (सी.एम.एस.)

रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र ने भारतीय रेलवे पर क्रू प्रबंधन प्रणाली लागू करके एक और उपलब्धि हासिल की है । क्रू, जिसमें लोको पायलट और गार्ड शामिल होते हैं, गाडियों की रनिंग और संरक्षा के महत्वपूर्ण संसाधन हैं । सीएमएस क्रू के इन सदस्यों के बारे में हर वक्त सूचनाएं उपलब्ध कराता है, जिससे माल गाडियों और सवारी गाडियों पर तथा टर्मिनलों एवं यार्डों तक सीमित छोटी दूरी के लिए क्रू की बुकिंग आसान हो जाती है ।

प्रशिक्षण दर्पण

भारतीय रेलवे पर चौबीस घंटे गाडी-परिचालन के लिए लगभग एक लाख गार्ड और ड्रायवर हैं । यह सॉफ्टवेअर सॉल्यूशन उनके स्टेटस की जानकारी देकर, उनकी ड्यूटी के आबंटन की रोस्टरिंग करके, उनके होम स्टेशन पर क्रू की उपलब्धता की जानकारी देकर और गाडियों पर क्रू को तैनात करके उनके दैनिक कार्यो को स्वचालित करता है । इनके क्रू का प्रबंधन और बेहतर होता है । सीएमएस को पारदर्शिता लाने और सूचनाओं की अधिक सटीकता के लिए विकसित किया गया है, ताकि निर्णयकर्ता क्रू को नियंत्रित करने और इसके इष्टतम उपयोग के लिए प्रभावी निर्णय ले सके ।

अनारक्षित टिकट प्रणाली (UTS)

भारतीय रेलवे पर अनारक्षित यात्रा सुविधा का प्रयोग करते हुए प्रतिदिन 20 मिलियन यात्री सफर करते है । एक अनारक्षित टिकट इन यात्रियों को प्राधिकृत करता है, परंतु जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि यह कोई आरक्षित बर्थ या सीट नहीं देता । यह टिकट किसी एक विशिष्ट गाडी सेवा के लिए भी नहीं है । इस सुविधा का उपयोग मुख्यतः नियमित रूप से आने-जाने वाले और उपनगरीय यात्रियों द्वारा छोटी दूरियों के लिए किया जाता है, जहाँ सीट सुनिश्चित होना आवश्यक नहीं है। कम आय समूह के लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को भी यह उपलब्ध है और ग्रामीण क्षेत्रों को जिलों, शहरों और नगरों से जोडता है, अनारक्षित यात्रियों को दिन या रात के किसी भी समय टिकटें जारी की जाती है, क्योंकि बुकिंग कार्यालय, दिन में 24 घंटे, सप्ताह में सातों दिन खुलते हैं ।

अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (युटीएस), संपूर्ण भारतीय रेलवे पर केंद्रिकृत प्रशासित कंम्प्युटरीकृत टिकटिंग प्रणाली उपलब्ध कराने का प्रयत्न करता है । आज 90 प्रतिशत से अधिक अनारक्षित टिकटें इस प्रणाली के माध्यम से बेची जा रही हैं । देश के दूरवर्ती क्षेत्रों में टिकट व्यवस्था उपलब्ध कराने और सभी स्थानों पर निर्बाध सेवा प्रदान करने की योग्यता को भारत सरकार द्वारा सराहा गया है तथा इसके प्रारंभिक डिजाइन और क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी क्रिस दल के साथ इस परियोजना को लोक प्रशासन में प्रधान मंत्री का उत्कृष्टता पुरस्कार भी मिला है ।

यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS)

भारतीय रेलवे में आरक्षित यात्रा करना यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) द्वारा सुगम हुआ है । पीआरएस, प्रतिदिन देश भर में चलने वाली 2500 गाडियों में लगभग 1.5 से 2.2 मिलियन यात्रियों को आरक्षण की सेवाएं प्रदान करता है । पीआरएस का अनुप्रयोग कन्सर्ट (सीओएनसीईआरटी) (कन्ट्रीवाइड नेटवर्क ऑफ कंप्यूटराइजड एनहान्सड रिजर्वेशन एंड टिकटिंग), विश्व का सबसे बड़ा ऑनलाइन आरक्षण अनुप्रयोग है, जिसे क्रिस द्वारा विकसित एवं अनुरक्षित किया जा रहा है । यह प्रणाली वर्तमान में 5 डेटा केन्द्रों से परिचालित होती है, सर्वर क्लस्टर, एक कोर नेटवर्क द्वारा एक दुसरे से जुडे हुए हैं, जो देशभर में एक जैसे टर्मिनल इनेबल करते हैं, जिसके द्वारा यात्रा करने वाले लोग किसी भी गाडी में, किन्ही भी दो स्टेशनों के बीच, किसी भी तिथि और श्रेणी में सीट आरक्षित करा सकते है. पीआरएस वेबसाइट को वर्ष 2009 में नागरिक केंन्द्रित सेवा श्रेणी में वेब रत्न प्लेटिनम आईकॉन पुरस्कार प्रदान किया गया था ।

राष्ट्रीय गाडी पूछताछ प्रणाली (NTES)

हालाँकि, भारतीय रेल को समय पर गाडियां चलाने के लिए जाना जाता है, कई बार भारतीय रेलवे के नियंत्रण से बाहर के कारणों की वजह से गाडियां लेट हो जाती हैं, अपने प्रारंभिक स्टेशन से पुनः शेड्यूल की जाती है, निरस्त हो जाती है या किसी अन्य मार्ग की ओर मोड दी जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप इसके नियत समय से वास्तविक आगमन/प्रस्थान समय में परिवर्तन हो जाता है, गाडी के चलने में होने वाले इन परिवर्तनों से रेल उपयोगकर्ताओं को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए राष्ट्रीय गाडी पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस), जनता को प्रत्येक रूकने वाले स्टेशन पर गाडी के आगमन/प्रस्थान के संभावित समय, गाडी के शड्यूल की सूचना, निरस्त गाडियों के बारे में सूचना, मार्ग परिवर्तित गाडियों और प्लेटफार्म बर्थिंग की सूचना के बारे में जानकारी उपलब्ध कराती है ।

एन.टी.ई.एस. प्रणाली का मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य जनता को उपयोगकर्ताओं के अनुकूल इंटरफेस के माध्यम से समय पर और विश्वस्त सूचना उपलब्ध कराना है । एन.टी.ई.एस. के माध्यम से देश भर में विभिन्न डिलीवरी चैनलों यथा वेब ब्राउजिंग द्वारा, मोबाइल फोन या लैंडलाइन फोन द्वारा (वॉयस एवं एस.एम.एस.) तथा भारतीय रेल के सभी स्टेशनों पर व्यक्तिशः माध्यम से अब जनता को यह सूचना सुविधापूर्वक और विश्वस्ततापूर्वक उपलब्ध हैएन.टी.ई.एस. को ग्राहकों के लाभ के लिए पीएसयू द्वारा आईसीटी के इन्नोवेटिव उपयोग के लिए वर्ष 2010-2011 का ई-गवर्नेंस का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला और कंम्प्युटरवर्ल्ड इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी अवार्ड फाउंडेशन, सं.रा.अ., द्वारा प्रारंभ किए गए कंम्प्यूटरवर्ल्ड ऑनर प्रोग्राम में अंतिम दौर में पहुंचने वाला चुना गया ।

कवि सम्मेलन

दिनांक 12.05.12 राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षक वर्ग, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थियों द्वारा कविताएं प्रस्तुत की गई तथा इस दौरान हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कार भी प्रदान किये गये ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतिमाह आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कडी में नाटक - ''पलायन यमराज का '' का आयोजन संस्थान के अधिकारी व प्रशिक्षकों द्वारा मिलकर प्रस्तुत किया गया ।

निलंबिल रेल कर्मचारी को मिलने वाली सुविधाऐं

(सुर्यकुमार प्रवर लिपिक)

1. जीवन यापन भत्ता (Subsistence Allowance) मिलेगा । रनिंग कर्मचारी को उसके मूल वेतन के 30 प्रतिशत भाग को रनिंग भत्ते के रूप में जोडकर जीवन यापन भत्ते की दर निर्धारित की जाएगी ।
2. निलंबन की अवधि में या तो एक पूरा सेट पास अथवा दो हाफ सेट पास मिलेगा । (यदि उसने उस वर्ष का पास न निकाला हो)
3. निलंबित कर्मचारी स्कूल पास पर अभिभावक के रूप में यात्रा कर सकता है । (अगर उसे मुख्यालय छोडने की अनुमति दी जाती है तो)
4. स्कूल पास पर निलंबन का कोई प्रभाव नहीं पडेगा अर्थात् उसे 3 सेट स्कूल पास या 6 हाफ सेट स्कूल पास उस वर्ष के लिए दिये जाऐंगे ।
5. उसकी पदोन्नति पर विचार किया जा सकता है परंतु परिणाम सीलबंद लिफाफे में रखा जाएगा ।
6. निलंबित कर्मचारी पी एन एम की बैठक में भाग ले सकता है ।
7. निलंबित कर्मचारी मान्यता प्राप्त संघ का पदाधिकारी बन सकता है ।
8. निलंबित कर्मचारी रेलवे अस्पताल की इनडोर तथा आउटडोर सुविधा ले सकता है ।
9. निलंबित कर्मचारी भविष्य निधि से अग्रिम या अन्तिम निकासी ले सकता है।
10. निलंबित कर्मचारी सरकारी आवास रख सकता है ।
11. निलंबित कर्मचारी को अगर वह पात्र है तो उसे शैक्षिक सहायता तथा छात्रावास अनुदान की सुविधा मिलेगी ।

प्रशिक्षण दर्पण

अतिथियों का आगमन

दिनांक 05.05.12 को श्री हेमन्त कटियार मंडल रेल प्रबंधक भुसावल ने संस्थान में मंडल के कुछ विभागीय अधिकारियों के साथ भेंट दी तथा सभी विभागों का निरीक्षण किया । इसी दौरान श्रीमती कटियार ने संस्थान में प्रशिक्षार्थियों के लिए सायबर केफे का उद्घाटन भी किया ।

दिनांक 05.06.12 को श्री प्रभात रंजन (मुख्य याता. योजना प्रबंधक, मध्यरेल) ने संस्थान का निरीक्षण किया ।

दिनांक 28.06.12 को श्री. आर. डी .त्रिपाठी(मुख्य याता. योजना प्रबंधक, मध्य रेल) के इस संस्थान का निरीक्षण कर विभिन्न क्रिया कलापों को देखा व कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया ।

अखिल रेल हिन्दी नाट्योत्सव 2011

संस्थान में दिनांक 24 अप्रैल से 27 अप्रैल 2012 तक अखिल रेल हिन्दी नाट्योत्सव 2011 का आयोजन किया गया । उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री.पी.के.सक्सैना (प्रधान मुख्य इंजी. एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी मध्यरेल) उपस्थित हुए । चार दिनों तक चले इस नाट्योत्सव में विभिन्न हृदय स्पर्शी नाटकों का मंचन हुआ । जिसमें विभिन्न रेलों से कुल 16 नाटक टीमों ने भाग लिया । दानापुर मंडल, पूर्व मध्य रेल द्वारा मंचित नाटक 'चीथडी' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया । दिनांक 27.04.12 को अखिल रेल नाट्योत्सव के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री.एस.के.नाफरी (महाप्रबंधक आयुध निर्माणी भुसावल) आमंत्रित किये गए । इस अवसर पर श्री.के.पी.सत्यानंदन निदेशक (राजभाषा) रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली, श्री.पी.एन.शर्मा उप महाप्रबंधक (राजभाषा) मध्य रेल, श्री.रिसाल सिंग उप निदेशक (राजभाषा) रेलवे बोर्ड श्री.प्रदीप वी.बारापात्रे (अपर मंडल रेल प्रबंधक) एवं श्री.आर.पी.शुक्ल (राजभाषा अधिकारी भुसावल मंडल) ने अपनी उपस्थिति देकर नाटक कलाकारों का उत्साह वर्धन किया ।

" मित्र " - बापू सरोदे (यातायात प्रशिक्षक)

मित्र ! जल्द न सही कुछ दिनों में ही आ जाया करो ।
कुछ बीती बातें और कुछ नई बातें सुना जाया करो ।।
लोग कहते हैं बहुत नजदीकियों से थोडी दूरी भली ।
कभी दूर कभी पास रह कर यह रस्म निभा जाया करो ।।
लगता है डर इस खेल में कहीं दूर न हो जाएं हम ।
आते जाते अपने पन का एहसास हमें दिला जाया करो ।।
हमने कभी नहीं कहा तुम्हे सदा साथ रहा करेंगे ।
मिलते जुलते रहकर हमारा हौसला बढा जाया करो ।।
जैसे चाँद और सूरज अपना नित्यकर्म नहीं भूलते है ।
उन्ही के उदाहरण समान प्रेरणा दीप जला जाया करो ।।
मालिक की कृपा से ही नेक बन्दों का साथ मिलता है ।
उनकी चर्चा कर स्मृतियों के फूल खिला जाया करो ।।

राजभाषा शील्ड

राजभाषा शील्ड-संस्थान को राजभाषा हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए महाप्रबंधक मध्य रेल द्वारा राजभाषा शील्ड पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई ।

स्वागत / विदाई / बधाई

* श्री. आर.डी.कोरी (उप प्राचार्य) के संस्थान मे आगमन पर स्वागत ।
* श्री. के. के. वर्मा (उप प्राचार्य) के स्थानांतरण पर विदाई ।
* श्री. आर. के. राम (सहा वाणिज्य प्रबंधक) की सेवानिवृत्ती पर उन्हे विदाई ।
* श्री. अजय कुमार(सहा वाणिज्य प्रबंधक) के संस्थान में आगमन पर स्वागत ।
* श्री. एस. टी. बाविस्कर (सहा. कार्मिक अधिकारी) के मनमाड स्थानांतरण पर उन्हे विदाई ।
* श्री.विनय कुमार जोशी (सहा. कार्मिक अधिकारी) के संस्थान में आगमन पर स्वागत ।
* श्री पंकज कुमार सिंह (वरि. लोको प्रशिक्षक) का सीमित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ग्रुप बी (सहा विद्युत इंजी.) में पदोन्नति पर बधाई ।
* श्री.अतुल दांडवेकर को महाप्रबंधक पुरस्कार मिलने पर उन्हे बधाई ।

* श्री.पी.बी.राव (मु.याता.प्रशि.), श्री.विजय काशिनाथ मोरे, श्री.संजय कुमार राय (वरि,यातायात प्रशिक्षक) श्री. जे. के. सिंह (मुख्य डीजल लोको प्रशिक्षक) श्री. वी. एस. मीना (वरि.वाणिज्य प्रशिक्षक) को मुख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई ।
* श्री.एन.आर.ठाकुर, श्री.एन.आर.राठोड, श्री.निलेश राउत (वरि.वाणिज्य प्रशिक्षक) को मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई ।
* श्री.ए.के.गुप्ता एवं श्री.सतीश शर्मा (वरि.डीजल लोको प्रशिक्षक) को मुख्य यांत्रिक इंजीनियर पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई ।
* श्रीमती शामपति परदेशी (मुख्य संस्थापन प्रशिक्षक) श्रीमती प्रमिला होरो (कार्यालय अधिक्षक) श्री धनराज नाथ (कार्यालय कर्मचारी) को मुख्य कार्मिक अधिकारी पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई ।
* श्री राजदीप साहू, श्री विजय दुबे, श्री.बी.एस.अम्बेश, श्री.सी.बी.सिंग, श्री आर.एम.कनोजिया, श्री.टी.एम.कुलकर्णी (वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक) एवं श्री एस.अनवर (वरि. डीजल प्रशिक्षक) के संस्थान में आगमन पर स्वागत
* श्री सलीम खान (मुख्य प्रशिक्षक सि. एवं दूरसंचार) एवं श्री एस.एस.मानकर (मुख्य प्रशिक्षक ओ.एच.ई.) श्री.एन.एन.सोनार (वरि.प्रशिक्षक TLGS) एवं श्री अश्वनी कु.महेंद्रा (डेमोस्ट्रेटर) के संस्थान में आगमन पर स्वागत ।
* श्री.एम.डब्ल्यू. चौधरी (मुख्य यातायात प्रशिक्षक) एवं श्री.एन.आर.ठाकुर (वरि.वाणिज्य प्रशिक्षक) श्री.संजीव सिन्हा (मुख्य ओ.एच.ई.प्रशिक्षक) के कार्यकाल पूर्ण कर मंडल में स्थानांतरण पर विदाई ।

सम्पादक मंडल

संरक्षक	:	श्री.झेड. ए. सिद्दीकी (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शक	:	श्री.प्रभात रंजन (मुख्य यातायात योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक	:	श्री.एल.एम.सैयद (प्राचार्य)
		श्री.आर.डी.कोरी (उप प्राचार्य)
संपादक	:	श्री.एम.के.गोयल (सहा. परि. प्रबंधक)
संकलक	:	श्री.विजय काशिनाथ मोरे (वरि. यातायात प्रशिक्षक)
ग्राफिक्स सज्जा	:	श्री.शशिकांत केशव माली (वरि.सिमु.प्रशिक्षक)
छायांकन	:	श्री.अतुल एम.दांडवेकर (वरि.यातायात प्रशिक्षक)